



# भारत का राजपत्र The Gazette of India.

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 196]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 3, 1979/वैशाख 13, 1901

No. 196]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 3, 1979/VAISAKHA 13, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आयात व्यापार नियंत्रण

आवेद संख्या-11/79

कुला सामान्य लाइसेंस-2/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० प्रा० 244.—(अ)—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ, रोडेसिया को छोड़ कर, किसी भी देश से भारत में कच्चे माल और संघटकों को वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है —

- (1) आयात की जाने वाली मर्चें आयात नीति 1979-80 के परिशिष्ट-3, 5, 6, 7, 8 और 9 के अन्तर्गत नहीं आती है।
- (2) कच्चे माल एवं संघटकों वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन हैं अर्थात् सम्बद्ध वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के खुद के उपयोग के लिए अपेक्षित है।
- (3) वास्तविक उपयोगिता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्चों के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं विधिवत उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा निश्चित समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(4) इस लाइसेंस के अधीन उपयोग्य वस्तुओं का आयात अनुमत्य नहीं होगा।

(5) माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) वास्तविक उपयोगिता के रूप में सम्बद्ध प्राधिकरण के पास अपने लाइसेंस पंजीकरण के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए कि इस प्रकार का पंजीकरण खर्च नहीं किया गया है या वापिस नहीं लिया गया है या अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है, एक घोषणा-पत्र सीमा शुल्क प्राधिकरण को भेजेंगे। उन मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण संख्या नहीं दी गई है, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकरण की सन्तुष्टि के लिए इस सम्बन्ध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/ औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है।

(6) जिस वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकरणों के अस्थायी पंजीकरण हैं वे, जो इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटक आयात करने के लिए पात्र होंगे।

(7) बड़े पैमाना क्षेत्र के सभी औद्योगिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्चों के ब्यौरे और मूल्य को दर्शाते हुए, मर्च के लिए यथा उपयुक्त एक आयाधिक विवरण, महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या इलेक्ट्रानिक विभाग को भेजेंगे। लघु पैमाना क्षेत्र के औद्योगिक एककों को उसी प्रकार के विवरण सम्बद्ध क्षेत्रीय आयात लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजने चाहिए। ये विवरण 31 अगस्त, 1979 और 29 फरवरी, 1980 को

भेजे जाएंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण बरगर्दि गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

- (8) ये लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम 1955, की अनुसूची-5 की शर्त 1 के अधीन भी होगा।
- (9) मानव-निर्मित रेशों, मोटे सन और तागों के सम्बन्ध में पात्र आयातकों को अपनी संविदाएं वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवानी चाहिए। आयात तभी किए जाएंगे जब सम्बन्धित संविदाओं पर वस्त्र आयुक्त बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरणों के माध्यम के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए, संविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जाएंगी, और वह पाठों की एक प्रति वापिस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मोहर लगी होगी।
- (10) जैसा कि ऊपर 9 में विव्या गया है, वस्त्र आयुक्त के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से सम्बन्धित शर्तों के अधीन पात्र वास्तविक उपयोगिताओं के वितरण के लिए मानव निर्मित रेशों, मोटा सन और तागों भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य रासायन उद्योग निगम (सी. पी. सी.) द्वारा आयात किए जा सकते हैं।
- (11) इस लाइसेंस के अधीन आयात द्वारा सम्बन्ध औद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत/प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा और सम्बद्ध एकक अपने अनुमोदित खरणवद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेगा।
- (12) महामारी नाशक और किटाणुनाशक सहित कीटनाशक के मामले में सम्बद्ध वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) प्रत्येक साल के परेक्षण की तिकाली के 7 दिनों के भीतर आयातित मद्द उसकी मात्रा और उसका लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के व्योरे कृषि विभाग (बनस्पति संरक्षण विभाग) नई दिल्ली को सूचित करेगा।
- (13) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और रोडेशिया में तैयार अथवा विनिर्मित नहीं किया गया हो।
- (14) 31 मार्च, 1980 को या इससे पहले बिना किसी रियायती अवधि के, जो भी हो परेक्षण के माध्यम से माल का भारत के लिए पोत जदान किया जाता है।
- (15) किसी भी माल के आवेदन पत्र पर, उनके आयात पर कोई भी निषेध या विनियम जो उस माल का आयात करते समय लागू थे, प्रभावित करने हैं तो उनका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं होगा।
- (16) यह आह्वान, किसी भी समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे वायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई प्रतिरक्षा छूट या छील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू सभी अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[सं० आई. पी. सी./3/46/79]

## MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(Department of Commerce)

IMPORTS TRADE CONTROL

ORDER No. 11/79

Open General Licence No. 2/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 244(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18

of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Asia and Rhodesia, raw materials and components by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 3, 5, 6, 7, 8 and 9 of the Import Policy, 1979-80;
- (2) The raw materials and components are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the Actual user condition.
- (3) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it ;
- (4) Import of consumables will not be allowed under this Licence;
- (5) Actual Users (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their licence/registration as Actual Users with the concerned authority and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit.
- (6) Actual Users (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials and components under this Licence;
- (7) All Industrial units in large scale sector shall submit to the DGTD, New Delhi or the Department of Electronics, New Delhi, as appropriate to the item periodical returns, indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial unit in the small scale sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 31st August, 1979 and 29th February, 1980. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.
- (8) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (9) In respect of man-made fibres, tow and yarns, every eligible importer shall be required to register their contracts with the Textile Commissioner, Bombay, Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the Textile Commissioner, Bombay as evidence of such registration. (For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Textile Commissioner and he will return one copy to the party duly stamped on each page).
- (10) Import of man-made fibres, tow and yarns under this Licence can be made by the State Chemicals and Pharmaceutical Corporation of India (CPC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (g) above.
- (11) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme.
- (12) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual User (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.

- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia.
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever.
- (15) Nothing in this licence shall effect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (16) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश सं० 12/79

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 3/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० आ० 245 (अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1979-80 की आयात-नीति के परिशिष्ट 2 में विशिष्टीकृत विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और रोडे़शिया को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) आयातक वास्तविक उपयोक्ता शर्त के साथ अपने निजी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यवसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसर में उपयोग के लिए ऐसी मर्चों की आवश्यकता रखते हुए महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के सम्बद्ध उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रायोजक या सरकारी प्राधिकारी के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक या गैर-औद्योगिक) हो।
- (2) उक्त परिशिष्ट 2 के भाग "ख" में प्रदर्शित पूंजीगत माल के मामले में आयात की अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जाएगी:—
  - (क) आयात के लिए जाही गई मर्चों का मूल्य 10.00 लाख रुपये (लागत-बीमा-भाड़ा) से अधिक न हों।
  - (ख) आयात किए जाने वाले पूंजीगत माल के मूल्य के बावजूद भी आयात-निर्यात क्रियाविधि हैड-बुक 1979-80 में निर्धारित की गई विज्ञापन क्रियाविधि का पालन किया जाएगा;
  - (ग) विज्ञापन की तारीख से 45 दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद इरादा रखने वाला आयातक, आयात-निर्यात क्रियाविधि हैड-बुक 1979-80 में निर्धारित फार्म में इस संबंध में एक शपथपत्र देगा तथा उपयुक्त न्यायिक प्राधिकारी के सामने शपथ लेगा कि उसने अपनी आवश्यकता को निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार विज्ञापित किया था और वह यह भी कि विज्ञापित मर्च उक्त परिशिष्ट 2 के भाग "ख" में शामिल हैं;

(घ) आबेदनपत्र के साथ उपयुक्त शपथपत्र तथा विज्ञापन की मूल प्रति विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी को भेजने चाहिए;

(ङ) इसके साथ साथ आयातक तकनीकी विकास महानिदेशक नई दिल्ली को एक विवरण भेजेगा, जिसमें विज्ञापन के उत्तर में किसी भारतीय विनिर्माता/संभरणकर्ता से प्राप्त पेशकशों का पूरा ब्यौरा तथा साथ ही आयात के लिए चाहे गए पूंजीगत माल का ब्यौरा होगा।

- (3) विषयाधीन पूंजीगत माल के आयात द्वारा आबेदक का उत्पादन लाइसेंस/प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।
- (4) इस तरह आयातित माल एक नया माल होगा और पुराने अथवा मरम्मत की गई मर्चों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी भी मद के लिए आस्थगन भुगतान की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (गैर-औद्योगिक) दुकान और स्थापन अधिनियम सिनेमाटोग्राफिक अधिनियम अथवा उनको आयात के लिए हकदार बनाने के लिए उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अंतर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में बंध) प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।
- (6) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक), वास्तविक उपयोक्ता के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने लाइसेंस पंजीकरण के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए कि इस प्रकार का पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापिस नहीं लिया गया है या अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है, एक घोषणापत्र सीमाशुल्क प्राधिकरण को भेजेंगे। उन मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा भ्रम से लाइसेंस पंजीकरण सं० नहीं दी गई है, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकरण की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है।
- (7) आयात किए गए पूंजीगत माल का विवरण देते हुए और 31 अगस्त, 1979 या 29 फरवरी, 1980 को उनके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आबधिक विवरणपत्र भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरणपत्र निविष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका रोडे़शिया में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल 31 मार्च, 1980 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए जो भी हो भारत को परेषण के जरिए भेजे गए हों या 29-2-1980 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31-3-1981 को या इससे पूर्व लवान कर दिए गए हों।
- (10) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगी।
- (11) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी विशेष अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[सं० आई पो सी/3/21/79]

## ORDER No. 12/79

## Open General Licence No. 3/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

**S.O. 245(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, Capital Goods of the description specified in Appendix 2 of Import Policy for 1979-80, subject to the following conditions :

- (i) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or the Government authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition.
- (ii) In the case of Capital Goods appearing in Part 'P' of the said Appendix 2, import will be allowed subject to the following conditions :—
  - (a) The value of the items sought to be imported does not exceed Rs. 10.00 lakhs (C.I.F.).
  - (b) The advertisement procedure laid down in the Hand Book of Import-Export Procedures, 1979-80 shall be followed, irrespective of the value of Capital Goods sought to be imported ;
  - (c) After waiting for 45 days from the date of advertisement, the intending importer will execute an affidavit in the prescribed form given in Hand Book of Import-Export Procedures, 1979-80 and sworn before an appropriate judicial authority to the effect that he had advertised, according to the prescribed procedure, his requirements and that the items advertised are covered by Part 'P' of the said Appendix 2;
  - (d) The above affidavit and the original copy of the advertisement should accompany the application to be made to the authorised dealer in foreign exchange;
  - (e) The importer shall simultaneously send to the D.G.T.D., New Delhi, a statement showing full details of offers, if any, received from any of the Indian manufacturers/suppliers, in response to the advertisement as well as the details of the Capital Goods sought to be imported.
- (iii) By import of the Capital Goods, in question the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity ;
- (iv) The goods so imported shall be of new manufacture. No second-hand or reconditioned items will be permitted for import. No deferred payment arrangements will also be permitted for any of the items;
- (v) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods, furnish to the customs authorities the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificate held by them under the Shops and Establishments Act, Cinematographic Act, or concerned local statute, entitling them to effect the imports ;
- (vi) Actual User (Industrial) shall produce to the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his licence/registration, as an industrial unit with the concerned authorities, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit.

- (vii) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the CCI&E, New Delhi, giving the description of Capital Goods imported and their C.I.F. value as on 31st August, 1979, and 29th February, 1980. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated ;
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia ;
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever, or shipped on or before the 31st March, 1981 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1980.
- (x) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (xi) Nothing in this Licence shall effect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश संख्या 13/79

कुला सामान्य लाइसेंस सं० 4/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

क्र० आ० 246(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका और रोडेशिया को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से नीचे विशिष्टीकृत माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) 1,000 रुपए मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची-पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार ;
- (2) मशीनरी और संयंत्र, स्थावरी, कार्य और निर्माण अनुसंधान प्राकड़ों से संबंधित वे, छाके और ड्राइंग (माइक्रो-फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिसका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है ;
- (3) एक प्रेषण में 10,000 रुपए के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें अनस्पति बीज, मधु-मक्खियों, चाय और नए भेषज शामिल नहीं हैं ;
- (4) एक ही प्रेषण में 1,000 रुपए के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल विज्ञापन संबंधी माल ;
- (5) विदेशी संस्करणों द्वारा मुफ्त में संभरित माल या जो माल पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए सृष्टिपूर्ण या अनुपयुक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो/टूट-फूट गया हो उसके बदले में किसी बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) दावे के मद्दे आयातित माल, बशर्ते कि :—

(क) प्रतिस्थापन वाले माल का पोतलवान पहले आयात किए गए माल की सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 18 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों और उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 18 महीनों से अधिक हो तो पोतलवान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो ;

- (ख) जिन मामलों में विदेशी संभरकों द्वारा माल का प्रतिस्थापन बीमें के भुगतान के अधीन हो और/या आयातक द्वारा भाड़ा चुकाए जाने की शर्त के अधीन हो और धन परेषण करते समय इस सम्बन्ध में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो उन मामलों में बीमें और भाड़े के भुगतान को छोड़कर किसी भी धन परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी ;
- (ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे:—

- (1) मुफ्त प्रतिस्थापन के मामले में मुफ्त संभरित किए जा रहे माल के साक्ष्य के रूप में विदेशी संभरक से मूल पत्र ;
- (2) लाइसेंस एजेंट या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षकों के द्वारा जारी किया गया सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में एक व्यावसायिक स्वाधीन सटीक इंजीनियर से इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में त्रुटिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके बदले में प्रतिस्थापन माल की आवश्यकता थी ;
- (3) मशीनों या उनके पुर्जों के जिन मामलों में पोल-लवान उपर्युक्त उप-अनुच्छेद (क) में निर्धारित 18 महीनों की अवधि के बाद किया गया हो उनमें विदेशी निर्माताओं या माल परेषकों द्वारा दी गई गारंटी की अवधि प्रवर्धित करते हुए साक्ष्य ;
- (4) नए धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कम्पनी द्वारा दावे के समझौते का साक्ष्य/प्रतिस्थापन आयातों की अनुमति बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए दावे के मूल्य तक दी जाएगी ।

6. भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व-लिखित अनुमोदन से और उसके द्वारा निर्धारित किसी भी शर्त के अधीन क्लिनिकल ट्रेसों के लिए मुफ्त में संभरित किए गए भेषज और औषधियाँ : औषधि नियंत्रक के अनुमोदन को माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत करना होगा ।

7. भारत में विदेशी संभरकों के एकमात्र एजेंटों को मुफ्त में संभरित किए गए भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में 10,000 रुपये लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक हों और माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए उनको प्रस्तुत किए जाने के लिए भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश के साथ हों ।

8. औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश पर निःशुल्क अथवा भुगतान के मद्दे भेजा गया मानव बैक्टीरिया और सीरा जिसके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है ।

9. राज्य पशु पालन निदेशक अथवा पशु पालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश पर निःशुल्क अथवा भुगतान के मद्दे भेजे गए पशु टीके जिसमें भुर्गी-पालन टीके भी शामिल हैं, जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है ।

10. कृषि विभाग, नई दिल्ली के अधीन केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड के लिखित अनुमोदन पर मुफ्त-संभरित किए गए कीटनाशकों (महामारी नाशक और बासपात नाशक सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है ।

11. उपर्युक्त क्रम सं० 6 से 10 में दर्शाई गई मर्दों के सम्बन्ध में, जहाँ पर मर्दें मुफ्त भेजी गई हों अनुमोदित माल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा पैकिंग में नहीं होगी और प्रेषित माल पर साफ-साफ अक्षरों में "नमूने बिक्री के लिए नहीं" अंकित होगा ।

12. इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित व्यापार सूची-युक्त एवं परिपक्व, खाके एवं ड्राईंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातकों के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा ।

13. किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करते वाला कोई अन्य निषेध या बिनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

14. यह लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस सं० 4/78 का अतिक्रमण करता है जो कि आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 10/78, दिनांक 3 अप्रैल, 1978 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था ।

[सं० आईपीसी/3/46/79]

#### ORDER No. 13/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

#### Open General Licence No. 4/79

S.O. 246(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below from any country in the world, except the Union of South Africa/South-West Africa and Rhodesia :—

- (1) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 1,000 ;
- (2) Blue print and drawings (including micro-films) relating to machinery and plant sites, works and building, research data, supplied free of charge and having no commercial value ;
- (3) Bonafide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs ;
- (4) Bonafide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 1,000 in c.i.f. value, in one consignment ;
- (5) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit for use or lost/damaged after import provided that :

- (a) the shipment of replacement goods is made within 18 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 18 months ;

- (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;
- (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance of the replacement goods :—
- (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements;
  - (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional, independent chartered engineer to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;
  - (iii) evidence showing the period of guarantee given by the foreign manufacturers or consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 18 months stipulated in sub-clause (a) above;
  - (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company;
- (6) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (7) Bonafide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000/- in c.i.f. value in one consignment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (8) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (9) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of either the State Director of Animal Husbandry or the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (10) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the written approval of the Central Insecticides Board under the Department of Agriculture, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (11) In respect of items covered by Sl. Nos. (6) to (10) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale";
- (12) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold;
- (13) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported;
- (14) This licence is in supersession of Open General Licence, No. 4/78 published vide Import Trade Control Order No. 10/78, dated 3rd April, 1978.
- [File No. IPC/3/46/79]
- आवेष संख्या: 14/79
- नई दिल्ली, 3 मई, 1979
- खुला सामान्य लाइसेंस 5/79
- का० आ० 247 (अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 19) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन वक्षिण अफ्रीका/वक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ रोडेसिया को छोड़कर विश्व के किसी भी देश में 1979-80 की आयात नीति की विशेष शर्तों की सूची (परिशिष्ट 3 तथा 6) से भिन्न अर्थात् वे सभी पुर्जों जो फालतू पुर्जों के रूप में अपेक्षित हैं, अनुमेष फालतू पुर्जों का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है तथा जो पूंजीगत माल के अनुरक्षण के लिए अपेक्षित हैं जिनमें अनुबंधी, सहायक उपस्कर, नियंत्रण तथा लेबोरेटरी उपस्कर तथा सुरक्षा संयंत्र भी शामिल हैं जिन्हें वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) और (गैर औद्योगिक) द्वारा 1 अप्रैल, 1979 को स्थापित किया गया था का आयात उनके द्वारा हस्ताक्षर किया जा रहा था :—
- (1) वास्तविक प्रयोक्ता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की अपने औद्योगिक लाइसेंसों/पंजीकरण प्रमाण-पत्रों का विवरण देते हुए एक ऐसी घोषणापत्र देगे जिससे इस बात की पुष्टि होगी कि इन पंजीकरणों को निरस्त नहीं किया गया अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उनका अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में सम्बन्धित प्रायोजक पृथक पंजीकरण प्राधिकारियों द्वारा नियत नहीं किया गया है, आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की इस सन्तुष्टि के लिए अन्य प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि वह अनुमेष है। औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है।
  - (2) माल की निकासी के समय प्रयोक्ता (गैर-औद्योगिक) दुकान और स्थापना अधिनियम, साइमेटोप्राफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाण-पत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे जो आयात को प्रभावी बनाने के लिए उन्हें हक्कार बनाएगी।
  - (3) संगणक प्रणाली के मामले में अनुमेष फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति आयातित संगणक के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य के 3% पर या देशी विनिर्मित संगणक प्रणाली जैसी खरीद मूल्य के 1/2% पर भी जाएगी व आयातित माल की निकासी के समय, जैसा भी मामला हो आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकारी की समधी लेखापाल/लागत लेखा पास या सम्बन्धित प्रायोजित की लागत बीमा-भाड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली की खरीद मूल्य की प्रवर्धित करते हुए एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस सम्बन्ध में एक घोषणापत्र भी देना चाहिए जिस परेषण की निकासी की जानी है उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य सहित उम्मी अथवा में इस प्रकार के पहुँचे ही आयात किए गए माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य अनुमेष

सीमा से ज्यादा नहीं हो। सनदी/लागत लेखापाल को आवश्यक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

- (4) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके अन्तिम पंजीकरण सम्बद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के पास हैं, वास्तविक प्रयोक्ताओं की ऊपर निर्दिष्ट शर्तों के अधीन इस लाइसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र हैं।
- (5) वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विशिष्टीकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगी।
- (7) वास्तविक उपयोक्ता 31-8-1979 और 29-2-1980 को नीचे लिखे गए प्राधिकारियों की एक आवधिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (क) आयातित मालों के कुल लागत बीमा-भाड़ा मूल्य और (ख) ऐसी आयातित मालों के व्यय जिन का कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 2 लाख रुपये से अधिक का हो दर्शाया जाएगा।
  - (1) बहुत पैमाने के क्षेत्र में औद्योगिक एककों के मामले में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी।
  - (2) अन्य वास्तविक उपयोक्ताओं के मामले में सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी प्रत्येक ऐसा विवरण उपर्युक्त संकेतित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका और रोडेशिया में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल 31 मार्च, 1980 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये जो भी हो भारत को परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या 29-2-1980 को या इससे पूर्व विशेषी मुद्रा विनिमय के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की सविदा के मुद्दे 31-3-1981 को या इससे पूर्व लदान कर दिए जाते हैं।
- (10) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[संख्या आईपीसी/3/46/79 से जारी]

ORDER NO. 14/79

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

**S.O. 247(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947, (18 of 1947) the Central Government hereby gives the general permission to import in to India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, "permissible" spares i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in the banned lists (Appendices 3 and 6) in the Import Policy, 1979-80, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control

and Laboratory equipments and safety appliances installed or in use as on 1st April, 1979, by Actual Users (Industrial) as well as (Non-Industrial), subject to the following conditions :—

- (i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their industrial licences/registration certificates, as appropriate, and solemnly affirming that such Licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit;
- (ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports;
- (iii) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 3 per cent of the c.i.f. value of imported computers or 1/2 per cent of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities, a certificate from Chartered/Cost Accountants or the sponsoring authority/concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.
- (iv) Small scale units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.
- (v) The Actual User shall maintain proper account of utilization of the goods imported under this licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (vi) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order 1955.
- (vii) The Actual Users shall furnish periodical Returns, as on 31-8-1979 and 29-2-1980, to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—
  - (i) sponsoring authorities concerned, in the case of industrial units in the large scale sector; and
  - (ii) regional import licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users.
- Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia;
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever, or shipped on or before 31st March, 1981 against a firm contract entered

into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1980.

- (x) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, or any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश संख्या 15/79

बूला सामान्य लाइसेंस संख्या 6/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० नं० 248 (अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास इकाई वैज्ञानिक अथवा अनुसंधान प्रयोगशाला, उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय जो केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत है द्वारा अपेक्षित कच्चे माल संघटकों, उपभोग्य, मशीनरी, उपकरण, उपस्कर, उप-साधक और फावतू पुर्जों की मरम्मत का वक्षिणी अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ तथा रोडेसिया को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) आयातक निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की जैसा भी मामला हो, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा अपनी साम्यता का विवरण देते हुए और यह घोषणा करने हुए कि आयातित मर्दें उनके अपने उपयोग के लिए अपेक्षित हैं एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा।
- (2) उपभोग्य माल की मर्दें जिनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमय नहीं होंगी।
- (3) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ और रोडेसिया में नहीं किया गया है।
- (4) आयातक पक्ष से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतित प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपए अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उनके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा।

- (1) अनुसंधान एवं विकास एकाई और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, नई दिल्ली।
- (2) इलेक्ट्रॉनिक मर्दों के सम्बन्ध में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, नई दिल्ली।
- (3) तकनीकी विकास महाविद्यालय, नई दिल्ली को उन मामलों में जहां पर एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।
- (4) चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थाओं के मामले में, जहां भी मामला हो, सम्बंधित केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार का प्रशासकीय मंत्रालय।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।

- (6) ऐसे माल बिना किसी बड़ाई गई अवधि के जो भी कुछ हो 31 मार्च, 1980 तक अथवा उससे पूर्व भारत में प्रेषित किए गए हों अथवा 29 फरवरी, 1980 को या उससे पहले विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ की गई पक्की संधि और पंजीकरण

के मर्दें मशीनरी/उपकरण/फावतू पुर्जों के मामले में जो कि 31 मार्च 1981 की अथवा इससे पहले प्रेषित किए गए हों।

- (7) इस लाइसेंस के अन्तर्गत ऐसे माल के आयात के समय किसी भी वस्तु के लिए लागू उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला किसी भी निषेध अथवा विनियम का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या आईसीसी/3/46/79]

ORDER NO. 15/79

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 248(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or a State Government, subject to the following conditions :—

- (i) The importer shall produce to the customs authorities, at the time of clearance, a declaration giving particulars of his recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for his own use.
- (ii) Items of consumer goods, how-so-ever described, shall not be permitted for import under this Licence.
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Rhodesia.
- (iv) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. one lakh or more :—
  - (i) Department of Science and Technology, New Delhi, in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories.
  - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items,
  - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them,
  - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (v) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

- (vi) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1980, without any grace period, what-so-ever, or, in case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March, 1981 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1980.



(vii) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[सं. आई पी सी/3/46/79]

[File No. IPC/3/46/79]

Order No. 16/79

Open General Licence No. : 7/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

आदेश सं० : 16/79

कुला सामान्य लाइसेंस सं० : 7/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

क्र० आ० 249 (अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग, करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिगों, जुड़नारों, मोल्ड्स और प्रेस औजारों (1979-80 की आयात-नीति के परिशिष्ट-3 में प्रदर्शित से मिलने) के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और रोडेशिया को छोड़कर किसी भी देश से निम्न-लिखित शर्तों के अधीन देती है :—

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता रखते हुए महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या संबद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) हो ;
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। किसी भी पुरानी या मरम्मत की हुई मशीन के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी/किसी भी मशीन के लिए किसी भी आवश्यक भुगतान व्यवस्था की अनुमति नहीं दी जाएगी ;
- (3) औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण के ब्यौरे देते हुए संबद्ध वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय संबद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणापत्र यह स्पष्ट करते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है। जिन मामलों में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा भ्रमण पंजीकरण सं० आरटिन न की गई हो उनमें आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य उचित साक्ष्य प्रस्तुत करेगा ;
- (4) 31 अगस्त, 1979 और 29 फरवरी, 1980 की स्थिति के अनुसार आयातित पंजीकृत माल और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकीय निवेशक को आवधिक विवरणपत्र भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरणपत्र निश्चित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा ;
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा ;
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और रोडेशिया में उत्पादित या विनिर्मित न हो ;
- (7) ऐसा माल किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1980 को या इससे पहले भारत को परेषण के माध्यम से सादा गया हो ;
- (8) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस

S.O. 249(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, jigs, fixtures, moulds and press tools (other than those appearing in Appendix 3 of the Import Policy, 1979-80), subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking ;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture. No second-hand or reconditioned items will be permitted for import. No deferred payment arrangements will also be permitted for any of the items ;
- (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence/Registration Certificate and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities ;
- (4) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 31st August, 1979 and 29th February, 1980. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated ;
- (5) This License shall also be subject to Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia ;
- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever ;
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश सं० 17/79

कुला सामान्य लाइसेंस सं० 8/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

क्र० आ० 250 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ और रोडेशिया को छोड़कर किसी भी देश से आयात नीति 1979-80 के परिशिष्ट 8 और

9 में निहित संबंध मर्दों के सामने उल्लिखित मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (सरणीबद्ध) अधिकरणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विनिर्दिष्ट माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे ;
- (2) आयातित माल का वितरण संबंध सरणीबद्ध अधिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा ;
- (3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ और रोडेसिया में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो ;
- (4) भारत को ऐसे माल का लवान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 30 सितम्बर, 1980 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं ;
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अधीन होगा ;
- (6) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा ।

[सं० आई पी सी/3/46/79]

Order No. 17/79

Open General Licence No. 8/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

**S.O. 250(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, the goods of the description specified in Appendix 8 and Appendix 9 of Import Policy, 1979-80, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendices, subject to the following conditions :—

- (i) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose ;
- (ii) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the policy and procedure laid down ;
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia ;
- (iv) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1980, without any grace period, whatsoever ;
- (v) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (vi) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश सं० 18/79

भुला सामान्य लाइसेंस सं० 9/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० आ० 251 (ख).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ और रोडेसिया को छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयात (ओ एन जी सी) द्वारा कच्चे माल की सभी मर्दों, संघटकों, उपभोक्त, मशीनरी, उपकरण, औजारों, उप-साधकों और फालतू पुर्जों (किन्तु उपभोक्त्य माल को छोड़कर चाहे उस का उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो) का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात के लिए स्वीकृत मर्दें वही मर्दें होंगी जिनकी देशा दृष्टि से महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो ;
- (2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे ;
- (3) आयात "वास्तविक उपभोक्ता" शर्त के अधीन होगा ;
- (4) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के अधीन होगा ;
- (5) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका और रोडेसिया में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो ;
- (6) भारत को ऐसे माल का लवान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च 1980 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या, मशीनरी और फालतू पुर्जों के मामले में इसका लवान 29-2-80 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31 मार्च, 1981 को या इससे पूर्व कर लिया जाता है ;
- (7) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा ।

[सं० आई पी सी/3/46/79]

Order No. 18/79

Open General Licence No. 9/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

**S.O. 251(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, all items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories and spares (but not consumer goods howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC) subject to the following conditions :—

- (1) The items permitted for import shall be those cleared by the DGTD, New Delhi from indigenous angle.
- (2) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.
- (3) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (4) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia.
- (6) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, what-so-ever, or, in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1981 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1980.
- (7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश सं० 19/79

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

क्रा० आ० 252 (अ).—प्रायात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन, एयर इंडिया, इण्डियन एयरलाइन्स और अन्य उन एयर लाइन को जो आई ए टी ए के सदस्य हैं, फाल्गु पुर्ण, उपभोग्य सामग्री (1979-80 की प्रायात नीति के परिशिष्ट 9 के अंतर्गत आने वाली ग्रीन और स्नेहक को छोड़कर) एयर क्राफ्ट के टायर और ट्यूब पुस्तिकाओं, तकनीकी ड्राइंग और उनके द्वारा संचालित और रक्षित एयर क्राफ्ट के फ्लूट से संबंध निबंधन और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को प्रायात करने की स्वीकृति प्रदान करती है :—

- (1) कोई भी उपभोग्य सामान चाहे उस का किसी भी प्रकार उल्लेख क्यों न किया गया हो इस खुले सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन उसे प्रायात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी;
- (2) प्रायातित मर्चें “वास्तविक उपयोगिता शर्त” के अधीन होंगी;
- (3) निकासी के समय प्रायातक एयरलाइन्स और आई ए टी ए के अंतर्गत वर्तमान सदस्यता के शर्तों को ध्याते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा;
- (4) प्रायातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका एवं रोडेसिया से/और या वहां उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए;
- (5) भारत को माल का लवान बिना किसी रियायती घबरे के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च, 1980 को या इससे पूर्व परीक्षण के माध्यम से कर दिए जाते हैं;
- (6) यह लाइसेंस प्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त 1 के अधीन होगा;
- (7) इस प्रकार के माल का प्रायात करते समय सागु कोई भी निषेध भ्रमण उसके प्रायात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के प्रायात को प्रभावित नहीं करेगा।

[सं० आई पी सी/3/46/79]

ORDER NO. 19/79

Open General Licence No. : 10/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 252(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who

are members of the IATA, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 9 to the Import Policy, 1979-80), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operates and maintained by them and the associate test and training equipments, subject to the following conditions :—

- (i) No consumer goods howsoever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence;
- (ii) The imported items shall be subject to the “Actual Users condition”;
- (iii) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA;
- (iv) The goods imported should not be from and or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia;
- (v) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever.
- (vi) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (vii) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश संख्या-20/79

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-11/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

क्रा० आ० 253 (अ).—प्रायात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कृषि विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पाट्टी फार्म/घण्टजालाओं को (क) पाट्टी बैक्सीन (सभी प्रकार के), और (ख) उच्च श्रेणी की मोलिब्डेनम फॉस्फोर/मोलिब्डेनम फॉस्फोर/मोलिब्डेनम फॉस्फोर को इन मर्चों की आवश्यकता वाले किसी भी औद्योगिक एकक को दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और रोडेसिया को छोड़ कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से प्रायात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

1. पाट्टी बैक्सीन के प्रायात के मामले में—

- (1) सीमा शुल्क से माल की निकासी के समय प्रायातक कृषि विभाग, नई दिल्ली से या सम्बद्ध राज्य के पशु पालन/पशु चिकित्सा सेवाओं से सम्बद्ध पार्टी के लिए सामग्री (विबरण/माला/मूख्य) की अनिवार्यता के सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा,

- (2) प्रायातित माल सम्बद्ध पाट्टी फार्म/घण्टजालाओं के पास “वास्तविक उपयोगिता” की शर्त के अधीन होगा,

2. उच्च श्रेणी की मोलिब्डेनम फॉस्फोर/मोलिब्डेनम फॉस्फोर के प्रायात के मामले में—

- (1) प्रायातित माल का उपयोग सम्बद्ध औद्योगिक एकक द्वारा अपने निजी उत्पादन क्रियाकलापों के लिए किया जाएगा,

- (2) माल की निकासी के समय सम्बद्ध प्राधिकारी के साथ एक औद्योगिक संस्थान के रूप में अपने लाइसेंस/पंजीकरण का ध्यौरा देते हुए और यह शपथ लेते हुए प्रायातक औद्योगिक एकक एक घोषणापत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न रह किया गया है, न वापस लिया

गया है और न अन्य प्रकार से प्रभावी किया गया है। जिन मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा भलग पंजीकरण संख्या प्रभावित न की गई हो उनमें आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए यह अन्य साध्य प्रस्तुत करेगा कि वह औद्योगिक एकक के रूप में अनुज्ञात/पंजीकृत है।

- (3) प्रायोजक प्राधिकारी के साथ अनन्तम पंजीकरण रखने वाला वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) भी इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए पात्र होगा। आयातक इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किए गए माल के उपयोग और उपयोग का लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से रखेगा और उस लेखे को ऐसे समय के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को या अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इन प्राधिकारियों द्वारा निविष्ट किया जाए।
- (4) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात की गई मर्दों के विवरण और मूल्य को निविष्ट करते हुए आयातक अवधिक विवरणपत्र प्रायोजक प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा यह विवरण पत्र 31 अगस्त, 1979 और 29 फरवरी, 1980 की स्थिति के अनुसार भेजे जाएंगे। ऐसे प्रत्येक विवरणपत्र निविष्ट अवधि की समाप्ति से 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (5) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका और रोडेसिया में उत्पादित या विनिर्मित न हों।
- (6) ऐसा माल किसी भी रियायती अवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना 31 मार्च, 1980 को या इससे पहले परेषण के माध्यम से भारत के लिए लाया गया हो।
- (7) यह लाइसेंस आयात निर्यात अवधि, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त संख्या-1 के भी अधीन होगा।
- (8) किसी माल के लिए उसके आयात का प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होना तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (9) अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ता जो अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं यह लाइसेंस उनसे कोई उन्मुक्ति, छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबन्धों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

[संख्या आई०पी०सी०/3/46/79]

ORDER No. 20/79

Open General Licence No. 11/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 253(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/hatcheries approved by the Department of Agriculture, Government of India, New Delhi, and (b) high grade molybdenum ore/molybdic oxide/molybdenum oxide, by any industrial unit requiring this item, from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, subject to the following conditions :—

- (1) In the case of import of poultry vaccines,—

- (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the customs, furnish a certificate from the Department of Agriculture, New Delhi or the concerned State Director of Animal Husbandary/Veterinary Services, regarding the essentiality of the material (description/quantity/value) to the party concerned ;

- (ii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned ;

- (2) In the case of import of high grade molybdenum ore/molybdic oxide/molybdenum oxide,—

- (i) The imported goods shall be used by the concerned industrial unit for meeting its own requirements ;

- (ii) At the time of clearance of the goods, the importer industrial unit shall furnish to the customs authority, a declaration giving particulars of its licence/registration as an industrial undertaking with the concerned authority, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit ;

- (iii) Actual Users (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import under this licence.

- (3) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

- (4) The importers shall submit to the sponsoring authority concerned, periodical returns indicating the description and the value of the items imported under this licence. These returns shall be furnished as on 31st August, 1979 and 29th February, 1980. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.

- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia.

- (6) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever.

- (7) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V. to the Import (Control) Order, 1955.

- (8) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

- (9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश संख्या-21/79

शुने सामान्य लाइसेंस संख्या-12/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० जा० 254 (अ).—आयात तथा निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ और रोडेसिया के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य), अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना के उपस्कर, मशीनरी और कालत पुर्जों के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) भारत सरकार और सम्बन्धित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विषयाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है।

(2) आयातित माल भारतीय सरकार और सम्बन्धित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार है और इस सम्बन्ध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा सम्बन्धित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाण-पत्र निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में 31 मार्च, 1980 को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो लदान किया जाता है।

(4) ऐसा माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ और रोडेसिया में उत्पन्न अथवा विनिर्मित नहीं हो, और

(5) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य विषय या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. इस लाइसेंस के अन्तर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अन्तर्गत भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तित्व सामान के आयात की अनुमति भी, निकासी के समय प्रशासनिक मंत्रालय अथवा सम्बन्धित परियोजना प्राधिकारी का इस सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि आयातित माल (जिसका ब्योरा प्रमाण-पत्र में दिया जाना है) भारत सरकार के सम्बन्धित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही सम्बन्धित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत से जाने लगे तो उपरोक्त माल से भिन्न अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

[संख्या आई०पी०सी०/3/46/79]

#### Order No. 21/79

Open General Licence No. 12/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 254(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, equipments, machinery and spares by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Government, subject to the following conditions :—

(i) The goods, in question, are imported free of cost in pursuance of an Agreement between the Government of India and the foreign Government concerned;

(ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance;

(iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period what-so-ever;

(iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa South-West Africa and Rhodesia; and

(v) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign experts coming to India under Government-to-Government Agreement for the execution of a project in India, on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with

the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

[File No. IPC/3/46/79]

आवेश सं० 22/79

कुछ सामान्य लाइसेंस सं० 13/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० आ० 255 (अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रत्न एवं आभूषण और स्वर्णकार एवं शिल्पकारों की सहकारी समितियों के पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयात नीति 1979-80 की परिशिष्ट 10 की सूची 1 में वर्णित रत्न और आभूषण के उद्योग के लिए अपेक्षित मशीनरी, उपकरण परीक्षण उपकरण, औजार एवं यंत्र का आयात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ एवं रोडेसिया को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

(1) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा,

(2) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का विवरण देते हुए इस संबंध में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के पास निर्यातक के रूप में पंजीकृत हैं और यह सुनिश्चय करते हुए कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है अथवा वापस किया गया है अथवा अन्यथा रूप से प्रभावहीन है,

(3) इस प्रकार का आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ और रोडेसिया में उत्पन्न अथवा विनिर्मित नहीं है,

(4) ये माल 31 मार्च 1980 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए चाहे जो भी हो, भारत को प्रेषित के माध्यम से भेजे जाते हैं,

(5) यह अनुमति आयात (नियंत्रण) आवेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त (1) के भी अधीन होगी,

(6) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[सं० आई०पी०सी०/3/46/79]

ORDER NO. 22/79

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 255(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission for import of machinery, equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry, appearing in List 1 of Appendix 10 of the Import Policy, 1979-80, by Registered Exporters of gem and jewellery and Co-operative Societies of goldsmiths and artisans, from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, subject to the following conditions :—

(1) The import shall be subject to "Actual User" condition;

(2) Registered Exporter of Gems and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming

that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. A Co-operative Society of goldsmiths and artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Co-operative Society ;

- (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa and Rhodesia ;
- (4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, what-so-ever ;
- (5) This Licence shall also be subject to condition No. (1) in Schedule V to the Imports (Control) Order 1955 ;
- (6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

आदेश सं० 23/79

सुला सामान्य लाइसेंस सं० 14/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का० प्रा० 256 (अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत निर्यात के माल का दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ और रोडेशिया को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है:—

- (1) क्रम सं० 1 में शामिल "अध्यापन सहायक" के मामले को छोड़कर, इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मदों किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टॉक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती है।
- (2) "अध्यापन सहायकों" के मामले में आयात की अनुमति केवल मान्यताप्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत शिकस्तियों, ग्रस्तताओं, परामर्शदाताओं, मान्यता-प्राप्त वाणिज्य संघों, उत्पादकता परिषदों, प्रबंध संघों और व्यवसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी।
- (3) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी:—

(क) शिक्षा व समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से पहले ही लिखित रूप निकासी की अनुमति लिए बिना एक लाइसेंस अवधि के दौरान एक ही शीर्षक की 2000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शाखाओं सहित) को नहीं दी जाएगी। लेकिन, यह प्रतिबंध अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोसायटी शीर्षकों और संयुक्त भारत रूस पाठ्यपुस्तक कार्यक्रम के अन्तर्गत पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा।

(ख) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके भारतीय पुनर्मुद्रण के अधुनातन संस्करण उपलब्ध हैं।

(ग) भारतीय समुद्र तट के केवल ऐसे ही परिवहन संबंधी चाटों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी मुख्य हाइड्रो-ग्राफर भारत सरकार देहरादून द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो।

(घ) अश्लील सामग्री वाली या यौन चित्रण करने वाली यह हिता भङ्गकाने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रिकाओं को आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (4) औषध मदों के मामले में जहाँ कहीं आवश्यक हो, औषध एवं साज शृंगार सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वैध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।
- (5) खजूर के मामले में परम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमेष होगा।
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ और रोडेशिया में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (7) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च 1980 को या इससे पहले पोत पर लाया गया हो।
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।
- (9) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात की प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम होगा तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।

[सं० आई०पी०सी०/3/46/79]

सुले सामान्य लाइसेंस 14/79 दिनांक 3 मई, 1979 के लिए

अनुसूची

1. निम्नलिखित अध्यापन सहायक :

- (1) शैक्षिक प्रकृति की माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिजिज
- (2) भाषाओं की सीखने के लिए रिकार्ड, और
- (3) शैक्षिक प्रकृति के प्री-रिकार्डिंग कस्सेट्स, फिल्म स्ट्रिप्स सहित या रहित

2. ब्रेल टाइपराइटर सहित अन्य व्यक्तियों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण

3. शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों और पत्रिकाएं, समाचार पत्रिकाएं और समाचार-पत्र

4. बैटल सत्त/छाल, बमझा कमाने के लिए

5. अम्ल मार्जित बमझा खाल, पेण्ट, स्पलिट और उनके भाग

6. बमझा और खाल, कच्ची या तबणित, जिस मामले में बमझे और खाल का मूल्य उन पर ऊन/बालों से अधिक हो

7. कबूतरों सतय, चेस्टनट सत्त और परिशीलित यूकेलिप्टस सत्त (मार्टिन)

8. आयात नीति 1979-80 के परिशिष्ट 10 की सूची-2 में आने वाले जीवनदायक उपस्कर और उनके फालतू पुर्जे।

9. परिवार कल्याण उपस्कर/यंत्र उपकरण अर्थात् निम्नलिखित:—

(1) (क) लेप्रोस्कोप

(ख) बलकस्कोप

(ग) हिस्टेरोस्कोप,

(घ) बैक्यूम सैक्शन आपरेटस

(ङ) उसके उपसाधित और फालतू पुर्जे भी, और

(2) रबड़ कंट्रासेप्टिव (केवल डायफागमस)

(3) यंत्र (लप्स लूप और सी-यू-टी 200 से निम्न) रंगीन कम्बोमस डायफेगमस जेली और फोम टिकियां, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित।

10. आयात नीति 1979-80 के परिशिष्ट 10 की सूची 3 में आने वाले परिष्कृत भेषज प्रिपेरेशन, जीवनदायक और कैमर रोधी भेषज
11. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियां या मूल रूप में और/या किसी भी पोटेन्सी में होम्योपैथिक भेषज (मिगल) "दुग्ध चीनी" सहित थोक में और बायोकेमिक औषधियां
12. आयात नीति 1979-80 के परिशिष्ट 10 की सूची 4 के अनुसार प्रायुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए श्रवणक्षित अपरिष्कृत भेषज (जैड, मोतियों और मोंगों के आयात की अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर-आभूषण किस्म के लिए की जाएगी)
13. दाल
14. निम्नलिखित मसाले :—
  - (1) दालचीनी/तेजपात
  - (2) जायफल/जायत्री
  - (3) लौंग
15. काजू को छोड़कर सूखे फल
16. खजूर (भारतीय पोत आघातों द्वारा प्रभावित)
17. सेंधा नमक
18. (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्मों (चित्रित)
  - (1) साइज एनियोग्राफिक फिल्में
  - (2) कार्डिग फिल्में
  - (3) दन्त्य एक्स-रे फिल्म
  - (4) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्में
  - (5) लो-डोज मेमोग्राफिक फिल्में
  - (6) मास मिनएचर फिल्म
  - (7) ड्यूसकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि०मी० नेगेटिव और रिक्सल किस्म की फिल्म
  - (8) परसोलन मोनोटोरिंग फिल्में
  - (9) चैन्जर्स के उपयोग के लिए विशेष किस्म की एक्सरे फिल्में ।
19. पीतल की कतरन
20. जिक/जिक एलाय स्क्रैप
21. हाथ षड़ी/दीवार-षड़ी और टाइम पीस के लिए स्टेडक तेल
22. गम अरेबिक
23. बिस्कोस फिलामेंट यार्न
24. शैक्षणिक और उपवेश सम्बन्धी छोटी फिल्में यदि वे फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा "प्रधानतः शैक्षिक" सत्यापित की गई हों ।
25. निम्नलिखित वे फानल पुर्जें जो परिशिष्ट 3 और 5 में शामिल नहीं हैं :—
  - (1) मुद्रण मशीनरी
  - (2) मशीन औजार
  - (3) सिनेमाटोग्राफिक उपकरण और,
  - (4) आयात (निर्यात) प्रवेश, 1955 की अनुसूची 1 के शीर्षक संख्या 84.22, 84.23 और 87.02 के अधीन आने वाली मिट्टी हटाने की मशीनरी और 84.06 के अधीन आने वाले इन्टरमल कम्बुशन इंजिन जो आकार में 75 अश्व शक्ति से बड़े हों ।

ORDER NO. 23/79

OPEN GENERAL LICENCE No. 14/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

**S.O. 256(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, subject to the following conditions :

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purposes ;
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government departments, industrial units engaged in research and development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised chambers of Commerce, productivity councils, management associations and professional bodies, for their own use ;
- (3) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply :
  - (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 2,000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education and Social Welfare, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English Language Book, Society titles and books under the Joint Indo Soviet Text Book Programme ;
  - (b) Import of foreign edition of books for which latest editions of Indian reprints are available, will not be allowed ;
  - (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun ;
  - (d) Books, magazines and journals, containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.
- (4) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with ;
- (5) In the case of dates, import will also be allowed in traditional small packing ;
- (6) The goods to imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa and Rhodesia ;
- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1980, without any grace period, whatsoever ;
- (8) This Licence shall be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/46/79]

## SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 14/79

DATED THE 3rd MAY, 1979

1. Teaching Aids, the following :
  - (i) Microfilms and Microfiches of educational nature ;
  - (ii) Records for learning of languages ; and
  - (iii) Pre-recorded cassettes of educational nature, with or without film strips.
2. Instruments and equipment required by blind, including Braille typewriters.
3. Educational, scientific and technical books and journals, news-magazines and newspapers.
4. Wattle extract/Bark for tanning leather.
5. Pickled hides, skins, pelts, splits and parts thereof.
6. Hides and skins, raw or salted where the value of hides and skins is more than that of wool/hair thereon.
7. Quebracho extract, chestnut extract and mofied eucalyptus extract (Myrtan).
8. Life Saving Equipment appearing in list No. 2 of Appendix 10 of Import Policy, 1979-80 and their spares.
9. Family welfare equipment/instruments appliances, namely the following :
  - (i) (a) Laprescope ;
  - (b) Culdscope ;
  - (c) Hysteroscope ;
  - (d) Vacuum Suction apparatus ;
  - (e) As well as their accessories and spares ; and
  - (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only) ;
  - (iii) Intrantering Contraceptive Devices (other than the Lippos' Loop and Cu-T200), coloured condoms, dimphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi.
10. Finished drug preparations, life saving and anti-cancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 10 of the Import Policy for 1979-80.
11. Homoeopathic medicines in finished form or Homoeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including 'Sugar of Milk' in bulk and biochemic medicines.
12. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani Medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 10 of Import Policy for 1979-80. (Import of jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).
13. Pulses.
14. Spices, the following :
  - (i) Cinnamon/Cassia,
  - (ii) Nutmeg/mace,
  - (iii) Clove.
15. Dry fruits excluding Cashewnuts.
16. Dates (Imported by Indian Sailing Vessels).
17. Rock Salt.
18. (i) X-ray films (medical), the following :
  - (1) Cine anglographic films.
  - (2) Copying films.
  - (3) Dental X-ray film.
  - (4) Films for use without screens.
  - (5) Lo-dose mammographic films.
  - (6) Mass miniature films.
  - (7) 35 mm negative and reversal types for duplicating films.
  - (8) Personal monitoring films.
  - (9) Special types of X-ray films used for changers.
- (ii) Industrial X-ray films.
- (iii) Aerographic films.
- (iv) Drawing reproduction films.
- (v) Microfilm films.
- (vi) Infra-red and Ultra-violet films.
- (vii) Graphic art films.
19. Brass scrap.
20. Zinc/Zinc alloy scrap.
21. Lubricating oils for watches, clocks and time pieces.
22. Gum Arabic.
23. Viscose filament yarn.
24. Educational and instructional short films, if certified by the Board of Film Censors to be "predominantly educational".
25. Spares, except those included in the Appendix 3 and 5, of :—
  - (1) Printing machinery,
  - (2) Machine tools,
  - (3) Cinematographic equipment, and
  - (4) Earthmoving machinery only of the types falling under Heading Nos. 84.22, 84.23 and 87.2 and of Internal combustion engines bigger than 75 HP in size covered by Heading No. 84.06, in Schedule 1 to the Imports (Control) Order, 1955.

आदेश संख्या 24/79

बुला सामान लाइसेंस सं० 15/79

नई दिल्ली, 3 मई, 1979

का०शा० 257 (अ).—आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत व्योनों की मदों को, प्रत्येक मद के सामने संकेतित पात्र वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ और रोडेशिया को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित जतों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा ;
- (2) संलग्न अनुसूची में कम सं० 2, 4 और 5 पर उल्लिखित विक्रिस्ता औजार आदि, वैज्ञानिक औजार और मोटर व्हीकल तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उन्नीसवें वर्ष में पहले के से ही आयातित ऐसे माल के लागत-सीमा-माझा मूल्य के बारे में, सीमा शुल्क प्राधिकारी को निकसी के समय घोषणा-पत्र देगा ;
- (3) मोटर व्हीकल और कृषि ट्रैक्टरों, के फालतू पुर्जों के मामले में, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी को, मोटर व्हीकल अधिनियम, 1939 के अधीन करों के अद्यतन मुगतात/छूट के साक्ष्य सहित, सम्बद्ध व्हीकल या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा ;
- (4) ये माल 31 मार्च, 1980 को या उस से पूर्व बिना किस रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे गए हो ;
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1975 की अनुसूची-5 में जर्न II के अधीन होगी ।



- (f) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किस भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[म० आई पो सी/3/46/79]

का० वें० जेपाटि, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/79 दिनांक 3 मई, 1979 को

### अनुसूची

सं०	मव	पात्र आयातक मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	3
1.	भेषज और औषध	(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 25 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ; (2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उसके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ; (3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
2.	चिकित्सा जिनमें शल्य-चिकित्सा, आण्टिकल और वन्त चिकित्सा सम्बन्धी औजार, उपकरण और यंत्र और बदलाई के पुर्जे और उनके अनुषंगी एवं वन्त-चिकित्सा सामान भी शामिल है।	(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान 1 लाख रुपए से अधिक नहीं होगा। (2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान 5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
3.	एक्सरे-इन्टेग्राफिंग स्क्रीन	अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा।
4.	वैज्ञानिक औजार और रसायन	विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औषध के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस सम्बन्ध में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को माध्य प्रस्तुत करने

1	2	3
5.	मोटर व्हीकल और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जे	वह व्यक्ति जिनके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टरों हैं, उनके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 2 हजार रुपए और 5 हजार रुपए तक।

ORDER NO. 24/79

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/79

New Delhi, the 3rd May, 1979

S.O. 257(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa and Rhodesia, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions :—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified ;
- (2) In the case of medical instruments, etc., scientific instruments and chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, referred to at Serial Nos. 2, 4 and 5 in the annexed schedule, the eligible importer shall, at the time of clearance, give a declaration to the customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year ;
- (3) In the case of spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939 ;
- (4) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1980 without any grace period, whatsoever ;
- (5) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (6) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force at the time when they are actually imported.

[File No. IPC/3/46/79]

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports.

SCHEDULE TO OGL No. 15/79.

Dated the 3rd May, 1979

1	2	3
Eligible importers, value limit and purpose of import		
1. Drugs and medicines	(i)	Hospitals and medical institutions, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees ;

1	2	3	1	2	3
		(ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and	3. X-Ray intensifying screens.		Hospitals and radiological centres for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.
		(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.	4. Scientific instruments and chemicals.		Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the customs authorities), provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed rupees ten thousand, in a financial year.
2. Medical including surgical, optical and dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and dental materials.		(i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed one lakh rupees, in a financial year.	5. Spare parts of motor vehicles and agricultural tractors.		Person owning imported vehicles agricultural tractors, for their own use, upto a c.i.f. value of rupees two thousand and five hundred, in financial year.
		(ii) Registered medical practitioners, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed five thousand rupees, in a financial year.			